आत्म–परिचय

1. नाम : **डा. शम्भूनाथ झा**

2. पिता : स्व. पं. श्री श्रीपति झा

3. जन्मतिथि : 08 जुलाई 1966

4. पूरा पता दूरभाष सहित : RHB-183/127 सेक्टर-18 प्रताप नगर, जयपुर

   मो. 9461500930

   ई-मेल : shambhusanskrit66@gmail.com

5. कार्यालय : राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

6. शैक्षणिक योग्यता :

क्रम	परीक्षा	बोर्ड / विश्वविद्यालय	वर्ष
1.	प्रवेशिका	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर	1982
2.	वरिष्ठ उपाध्याय	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर	1983
3.	शास्त्री	राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर	1986
4.	आचाय(ज्योतिष शास्त्र)	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर	1988
5.	आचार्य(साहित्य)	राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर	2004
6.	एम.ए.(संस्कृत)	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	2000
7.	(बी.एड.)	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	1989
8.	विद्यावारिधि	जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राज. संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर	2017

7. शिक्षक के रूप में पदनाम सहित कार्यस्थान –

क्रम	संस्था	पद	अवधि वर्ष सहित
1.	राज. उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय मानोता, जयपुर	प्रधान अध्यापक	8 वर्ष (03.07.1990 से 04.1999)
2.	राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, गनोड़ा,बाँसवाड़ा	व्याख्याता(स्कूल शिक्षा)	4वर्ष (04.1999से 01. 2003)
3.	राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, गनोड़ा,बाँसवाड़ा	व्याख्याता(कॉलेज शिक्षा)	1.5वर्ष (01.2003से 07. 2004)
4.	राजकीय संस्कृत महाविद्यालय,कालाडेरा,जयपुर	व्याख्याता(कॉलेज शिक्षा)	07.2004 से 09.2004
5.	निदेशालय संस्कृत शिक्षा,जयपुर	शैक्षणिक अधिकारी	10वर्ष 09.2004 से 10. 2014
6.	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	व्याख्याता(कॉलेज शिक्षा)	09वर्ष 10.2014 से निरन्तर

8. अध्यापन अनुभव

स्कूल शिक्षा - 12वर्ष
शास्त्री कक्षा – 10 वर्ष
प्रसाशनिक अनुभव – 10वर्ष

9. प्रकाशित शोधपत्रों एवं लेखा का विवरण –

क्रम	शोधपत्र विषय	पत्रिका का नाम व प्रकाशक	ISBN/ ISSN / RNI	माह एवं वर्ष
1.	मांगलिक योग एवं परिहार	संस्कृतिसौरभम्	2249-829-x	2012
2.	राजस्थाने ज्योतिर्विद्यायाः प्रारम्भो विकासश्च	संस्कृतिसौरभम	2249-829-x	2016
3.	राजस्थानीय रचनाधर्मितायां ज्योतिर्विज्ञानस्य स्थापनम्	भारती मास पत्रिका	2249-698-x	2016

4.	ग्रहास्तु साध्याः मनुजैः स्वमानात्	संस्कृतिसौरभम	2249-829-x	2017
5.	ज्योतिषशास्त्रस्य वैज्ञानिकत्वम्	संस्कृतिसौरभम	2249-829-x	2017
6.	वेदांगत्वं ज्योतिषस्य	वैजयन्ति	2554-20-52	2017-18
7.	ज्योतिषशास्त्रस्य लोकोपकारिता	संस्कृतिसौरभम	2249-829-x	2019
8.	महात्मा गांधी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय धार्मिक मूल्यों की अद्यतन प्रासंगिकता	वैजयन्ति	2554-20-52	2019
9.	**वसन्त व वेलेन्टाइन डे**	जातक जिज्ञासा	राष्ट्रीय स्तर	2008
10.	पंच महापुरुष योग	जातक जिज्ञासा	राष्ट्रीय स्तर	2008
11.	श्रावणी कविता	श्रावणी	संस्कृतशिक्षा विभागीय पत्रिका	2012
12.	श्रावणी स्तवन	श्रावणी	संस्कृतशिक्षा विभागीय पत्रिका	2013

10. प्रकाशित पुस्तकों का विवरण

क्रम	**विषय**	**प्रकाशक**	**ISBN NO.**	**माह एवं वर्ष**
1	कौटिल्यकालीन गुप्तचर व्यवस्था की अद्यतन प्रासंगिकता	नटानी प्रकाशन,जयपुर	978-93-24277-21-5	2015-16 द्वितीय संस्करण
2	गीता में वर्णित शिक्षा तत्व की अद्यतन प्रासंगिकता	प्रायोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-M.P.	978-93-92212-69-7	2015

3	ज्योतिष शास्त्र में गोधूलीबेला की वैज्ञानिकता	मानव कल्याण संस्थान प्रकाशन,जयपुर	978-81-931559-0-5	2016
4	रोग चिकित्सा में ज्योतिषीय वैज्ञानिकता	नटानी प्रकाशन,जयपुर	978-93-84277-22-2	2016
5	जीवन मूल्यों के संरक्षण में संस्कृत साहित्य का अद्भुत योगदान	नटानी प्रकाशन,जयपुर	978-93-84277-20-8	2017

11. सम्मेलन एवं संगोष्ठियां जिनमें शोधपत्र प्रस्तुत किए –

क्रम	शोधपत्र विषय	संगोष्ठी / सम्मेलन	संस्था/स्थान	माह एवं वर्ष
1.	कौटिल्यकालीन गुप्तचर व्यवस्था की अद्यतन प्रासंगिकता	राष्ट्रीय संगोष्ठी	(यू.जी.सी द्वारा प्रायोजित) राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	22-24 सितम्बर 2014
2.	कुण्डमण्डप विधान की वर्तमान में प्रासंगिकता	कुण्डमण्डप विधान राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	23-24 फरवरी 2015
3.	गीता में वर्णित शिक्षा की अद्यतन प्रासंगिकता	राष्ट्रीय संगोष्ठी श्रीमद्भगवद्गीता की अद्यतन प्रासंङ्गिकता	(यू.जी.सी द्वारा प्रायोजित) शासकीय संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय,गंज बासौदा	01-02 अक्टूम्बर 2015
4.	ज्योतिषशास्त्र में गोधूली- वेला की वैज्ञानिकता	राष्ट्रीय संगोष्ठी संस्कृतवांगमये गोः संरक्षणसंबर्द्धन समस्यासमाधानश्च	राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर एवं संस्कार भारती मानवकल्यान संस्थान,जयपुर	23-24 जनवरी 2016
5.	रोगचिकित्सा ज्योतिषीय विचारों की वैज्ञानिकता	राष्ट्रिय संगोष्ठी चिकित्सा ज्योतिषीय	इण्डियन मेडिकल एसोसियेसन एवं राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	26-27 फरवरी 2016

6.	वैदिक वांगमय में राष्ट्र की अभ्युदयकारिणी शक्ति सरस्वती	अन्तराष्ट्रिय संगोष्ठी एवं वैदिक सम्मेलन	वैदिकशक्तिसंघ द्वारा	8 से 10 सितम्बर 2016
7.	राष्ट्रस्यैकटायां अखंडतायाश्च ज्योतिष शास्त्रस्य योगदानम्	अखिल भारतीय संस्कृत संगोष्ठी	संस्कार भारती मानवकल्यान संस्थान,जयपुर एवं केन्द्र, राज. विश्वविद्यालय, जयपुर	15-16 अक्टूबर
8.	प्राचीनग्रंथानां संरक्षणे पुस्तकालयानां अद्यतन आवश्यकता	राष्ट्रिय संगोष्ठी	(यू.जी.सी द्वारा प्रायोजित)	24-25 जनवरी 2017
9.	**राष्ट्रविकासे ज्योतिषशास्त्रस्य योगदानम्**	**अन्तराष्ट्रिय वेद–ज्योतिष सम्मेलन**	भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान,जयपुर	**04. मई से 06 मई .2017**
10.	**भारतीयनाट्यशास्त्रे संस्कृतनाटकनां योगदानम्**	**नाट्यशास्त्र एवं वर्तमान दृश्य काव्य पर राष्ट्रिय संगोष्ठी**	(यू.जी.सी द्वारा प्रायोजित) राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	**09–11 नवम्बर 2017**
11.	**जीवन मूल्यों के संरक्षण में संस्कृत साहित्य का अद्भुत योगदान**	**राष्ट्रिय संगोष्ठी** **SOURCE OF CULTURAL STRENGTHENING**)	(यू.जी.सी द्वारा प्रायोजित) राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	**08–09 दिसम्बर 2017**
12.	**अष्टांग योग की** अद्यतन प्रासंगिकता	**राष्ट्रिय संगोष्ठी , समसामयिक परिप्रेक्ष्य में योगदर्शन का महत्व**	(यू.जी.सी द्वारा प्रायोजित) राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	**12–13 जनवरी 2018**
13.	**सूर्यनमस्कार का शारीरिक एवं मानसिक प्रभाव**	**राष्ट्रिय संगोष्ठी**	(यू.जी.सी द्वारा प्रायोजित) राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	**29–31 जनवरी 2018**
14.	**वास्तु एवं ज्योतिष की** अद्यतन प्रासंगिकता	**राष्ट्रिय संगोष्ठी**	**ज्योतिष वेदवेदांग संस्कृत संस्थान द्वारा प्रायोजित**	**19.20 अक्टूबर 2019**

15.	**उच्च शिक्षा में मूल्यों की** अद्यतन प्रासंगिकता	**राष्ट्रिय संगोष्ठी**	**NAAC** प्रायोजित एवं राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	**09 नवम्बर 2019**
16.	**उच्च शिक्षा में नैतिकता एवं कार्य संस्कृति**	**राष्ट्रिय संगोष्ठी**	**शैक्षिकमंथन संस्थान,जयपुर**	**8 जुलाई 2018**
17.	**ज्योतिष शास्त्रे सामाजिक समरसता**	**राष्ट्रिय संगोष्ठी**	राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर	**25.26 मार्च 2021**
18.	**भारतीय सांकृतिक मूल्यों के संरक्षण में नारी शक्ति का योगदान**	**अन्तर -राष्ट्रिय संगोष्ठी**	सावत्री बाई फुले संस्थान एवं सेंट विल्फ्रेड कॉलेज जयपुर	**3.4जनवरी 2022**
19.	**अनुसंधान नियमो की अद्यतन** प्रासंगिकता	**राष्ट्रिय संगोष्ठी**	राज.शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय,महापुरा,जयपुर	**16.17 जनवरी 2023**

12. कार्यशाला एवं अनुसंधान

.....

13. ओरियन्टेशन / रिफ्रेशर

.....

14. आपके निर्देशन में कराए गए शोध कार्यों का विवरण

शून्य

प्राप्त सम्मान / पुरस्कार

क्रम	संस्था / स्थान	स्तर	माह एवं वर्ष
1.	राजस्थान संस्कृत अकादमी भाषण प्रतियोगिता - प्रथम	राज्यस्तरीय	1987-88
2.	राजस्थान संस्कृत अकादमी भाषण प्रतियोगिता - प्रथम	राज्यस्तरीय	1988-89
3.	राजस्थान विश्वविद्यालय संस्कृत डिबेट - प्रथम	राज्यस्तरीय	1989-90
4.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित अखिल भारतीय (संस्कृत भाषण प्रतियोगिता – कांस्य पदक)	राष्ट्रियस्तरीय	1990
5.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र में समन्वयक का दायित्व निभाया (राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा)	राष्ट्रियस्तरीय	2004

6.	प्रमुख शासन सचिव द्वारा श्रेष्ठ कार्य हेतु गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मानित	राज्यस्तरीय	2012
7.	श्री निम्बार्क वैदिक संस्कृत समिति भीलवाड़ा द्वारा राज्य स्तर पर सम्मानित	राज्यस्तरीय	2013
8.	संस्कार भारती मानव कल्याण संस्थान द्वारा सम्मानित	राज्यस्तरीय	2016
9.	दीनदयाल जयन्ति पर स्वैच्छिक रक्तदान करने पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रशस्ति-पत्र	.....	2016
10	**राजस्थान सरकार द्वारा राज्य स्तरीय विद्वत् सम्मान से सम्मानित**	राज्यस्तरीय	2017
11.	**ज्योतिष वेदवेदांग संस्थान द्वारा ज्योतिष - रत्न से सम्मानित**	-------	2019

विशेष कार्य एवं योगदान :-

1. बांसवाडा जिले में कार्यरत रहने के दौरान दक्षिण राजस्थान के आदिवासी अंचल मे संस्कृत प्रचार-प्रसार एवं संस्कृत सूक्तियो का भित्ति लेखन करवाया । स्वयंसेवी संस्था संस्कृत भारती एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सहयोग से अनेक संस्कृत शिविरो का आयोजन कराया ।

2. राज्य प्रशासन द्वारा राजस्थान प्रशासनिक संस्थान में आयोजित सूचना अधिनियम, मानव अधिकार, नागरिक प्रशासन, सेवा नियम, व्यक्तित्व विकास (personality Development) जैसे अनेक प्रशिक्षणो में भाग लिया ।

3. राज्यसेवा के प्रारंभिक दौर से ही संस्कृत शिक्षण संस्थाओं के उन्नयन पल्लवन में महनीय योगदान । राज. प्रवे.सं. विद्यालय मानोता, गोविन्दपुरा, हाउसिंग बोर्ड सेक्टर-29 एवं सेक्टर 26 संस्थाओं के भूमि-भवन प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान ।

4. जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा इन्हें "ज्योतिषशास्त्राभिवृद्धौ राजस्थानीय ज्योतिर्विदामवदानम् विषय" पर शोध उपाधि (p.h.d) दी गई है । इनका यह मौलिक शोध कार्य उल्लेखनीय है क्योकि अद्यावधि इस ऐतिहासिक विषय पर कोई शोध नहीं हो पाया था । यह शोध प्रबन्ध छात्र-छात्राओं एवं ज्योतिष अध्येताओ के लिए मार्गदर्शक रहेगा ।

5. राज्य सेवा के 28 वर्षो में लगभग आधे से अधिक समय मानोता(जमवारामगढ़) एवं गनोडा(बाँसवाडा) में बीता है । मानोता की संस्था को शून्य से उठाकर भूमि-भवन से परिपूर्ण एक समृद्ध विद्यालय के रूप में आज पुष्पित पल्लवित है । इस संस्था की समृद्धि में इनका योगदान सर्वविदित है ।

6. गनोड़ा (बाँसवाड़ा) इनके पिता की कर्मस्थली एवं इनके बाल्यकाल का समय इस संस्था से जुड़ा

रहा है । आचार्य स्तर के इस संस्था के उन्नति में इनके परिवार का महनीय योगदान है । 1999 से 2004 तक यहाँ कार्यरत रहने के दौरान संस्कृत प्रचार-प्रसार हेतु किया गया कार्य अत्यन्त ही उल्लेखनीय है । इस दौरान इस क्षेत्र के प्रत्येक घर पर संस्कृत सूक्तियों का अंकन किया गया था । जिसकी चर्चा राष्ट्रिय स्तर के समाचार पत्रों में भी की गई थी ।

7. दूरदर्शन राजस्थान पर अनेक शास्त्रीय चर्चाओं हेतु आमंत्रित। ''धरती धोरा री'' एवं अक्षरा जैसे कार्यक्रमों में विशिष्ट विद्वान के रुप में सम्मिलित।

8. ज्योतिष एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ के रुप में ख्याति प्राप्त। पारम्परिक ज्योतिष, वास्तु एवं हस्तरेखाओं पर कई शोध आलेख प्रकाशित।

9. अनेक राष्ट्रीय कार्यक्रमों/ संगोष्ठीयों के संयोजन/ संचालन का अनुभव।

10. राष्ट्रीय स्तर की (**ISSN**) पत्रिका संस्कृति सौरभम् के सह सम्पादक का दायित्व।